हिन्दी साप्ताहिक

# वॉयस ऑफ कैपिटल

RN I NO. UPHIN/2019/78747

वर्ष– 06 अंक – 19 | लखनऊ, शनिवार 21 दिसम्बर 2024 | मूल्य–1 रुपया | पृष्ठ–8

दूसरों के घर जाकर
पंचायती वही करते हैं
जिन्हें खुद के घर में
कोई इज्जत नहीं मिलती

## संक्षिप्त समाचार

### शिव पुराण कथा के दौरान बेकाबू हुई भीड़, चार महिला श्रध्दालु भगदड़ में हुई घायल

एजेंसी

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां पर शिव कथा के दौरान भगदड़ मच गई। जिसे कई महिला श्रद्धालु घायल हो गए। बताया जा रहा है कि परतापुर क्षेत्र के शताब्दी नगर इलाके के सेक्टर 4 में महाशिवपुराण कथा का आयोजन था। कथा को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान एंट्री गेट पर भगदड़ मच गई। कथावाचक प्रदीप मिश्रा के द्वारा इस कथा को कहा जा रहा था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक घटना की जानकारी होते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज चल रहा है फिलहाल अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया घटना स्थल पर सभी अधिकारी मौके पर मौजूद है, शांति व्यवस्था कायम है। कार्यक्रम सुचारू रूप से चल रहा है।

### सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर चला बुलडोजर, तोड़ी गई अवैध सीढ़ियां

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में समाजवादी पार्टी जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें थमने का नाम ही नहीं ले रही। जियाउर्रहमान बर्क द्वारा किए गए अतिक्रमण पर भी एक्शन शुरू हो गया है। शुक्रवार को नगर पालिका की टीम ने दीपा सराय क्षेत्र स्थित सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर भी बुलडोजर चला दिया। इस कार्रवाई में सांसद के नए आवास के बाहर बनी अवैध सीढ़ियों को तोड़ दिया गया। इससे पहले बर्क को बिजली विभाग ने1 करोड़ 91 लाख का जुर्माना लगाया है। बता दें कि शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर पालिका ने अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। नगर पालिका की टीम सुबह से ही अभियान पर निकली थी और क्षेत्र में कई स्थानों पर मकानों के सामने बनी अवैध सीढ़ियों और स्लैब को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पुलिस बल भी मौके पर तैनात था ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। स्थानीय लोग इस कार्रवाई से नाराज दिखे, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के कारण किसी ने विरोध नहीं किया।

# पीएम मोदी ने मनाया क्रिसमस

## इस साल इटली में पोप फ्रांसिस से की थी मुलाकात

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के आवास पर आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मोदी ने ईसाई समुदाय के प्रमुख सदस्यों से भी बातचीत की और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर इस समारोह की तस्वीरें साझा की। मोदी ने लिखा, "केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन जी के आवास पर क्रिसमस समारोह में शामिल हुआ और ईसाई समुदाय के प्रमुख सदस्यों से बातचीत की।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी और उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, पोप फ्रांसिस अगले साल भारत यात्रा पर आ सकते हैं। मोदी और पोप की मुलाकात इटली के अपुलिया में आयोजित जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी, जहां दोनों ने गर्मजोशी से एक–दूसरे से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने पोप के साथ अपनी

बातचीत को लेकर कहा कि वे लोगों की सेवा करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए उनके प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और पोप फ्रांसिस के बीच यह मुलाकात भारत और वेटिकन के बीच मैत्रीपूर्ण रिश्तों को मजबूत करती है। भारत और होली सी के बीच 1948 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, और दोनों देशों के बीच संबंध लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। भारत में ईसाई समुदाय का एक बड़ा हिस्सा है और यहाँ के लोग क्रिसमस जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं। क्रिसमस, ईसाई धर्म का सबसे प्रमुख त्योहार, 25 दिसंबर को मनाया जाता है और इसकी पूर्व संध्या, 24 दिसंबर को भी विशेष महत्व रखती है। इस दिन यूरोपीय और पश्चिमी देशों में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जबकि भारत में चर्चों में विभिन्न धर्मों के लोग एकत्रित होकर प्रभु यीशु की पूजा करते हैं। क्रिसमस अब केवल एक धार्मिक पर्व नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव का रूप भी ले चुका है, जिसे सभी समुदायों के लोग खुशी–खुशी मनाते हैं। इस दिन लोग एक–दूसरे के घर जाकर प्यार और भाईचारे का संदेश देते हैं। क्रिसमस ट्री सजाना, उपहारों का आदान–प्रदान, और सांता क्लॉज़ से जुड़े कार्यक्रम बच्चों और बड़ों दोनों के लिए उत्साह का कारण बनते हैं। यह पर्व सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है और पूरे विश्व में खुशी और सद्भावना फैलाने का काम करता है।

### भाजपा सांसद ने प्रियंका गांधी को थमाया 1984 लिखा बैग

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अपराजिता सारंगी ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को एक बैग गिफ्ट किया। जिसे स्वीकार कर कांग्रेस सांसद वहां से निकल गईं। बैग पर 1984 लिखा हुआ था। ये अक्षर लाल रंग से लिखा गया था। अपराजिता ने मीडिया से बातचीत में कहा, "मौजूदा समय में कांग्रेस की सार्थकता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। देश की जनता लगातार कांग्रेस को खारिज कर रही है।

## भाजपा ने राजनीति का स्तर गिराया : कमलनाथ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शुक्रवार को भाजपा पर राजनीति का स्तर गिराने का आरोप लगाया। कमलनाथ ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में हुई धक्का–मुक्की के परिप्रेक्ष्य में कहा कि देश में राजनीति के स्तर को भाजपा जिस तरह नीचे गिरा रही है वह अत्यंत चिंताजनक है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ जिस तरह से भाजपा के सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में हाथापाई की वह निंदनीय है। उसके बाद भाजपा के सांसद की ओर से राहुल गांधी के ऊपर ही झूठे इल्जाम लगाए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह के बयान का जिक्र करते हुए कहा, पूरा देश इस बात को अच्छी तरह समझता है कि जिस तरह से सदन में गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का निंदनीय भाषा में अपमान किया है, उससे देश का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के कृत्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, जातिगत जनगणना और दलित–आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन ध्यान भटकाने की इस राजनीति से जनता भ्रमित होने वाली नहीं है।

## महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद मराठियों पर बढ़े हमले, संजय राउत का दावा

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद मराठी भाषी लोगों पर हमले बढ़ गए हैं। राउत ने आरोप लगाया कि मराठाओं को मुंबई और पड़ोसी इलाकों से बाहर निकालने के लिए माहौल बनाया जा रहा है। राउत ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ठाणे जिले के कल्याण में हुई एक घटना का जिक्र किया, जहां गैर–मराठी भाषी लोगों ने कथित तौर पर एक मराठी भाषी परिवार पर हमला किया। उन्होंने नौसेना के एक जहाज और यात्री नौका के बीच हुई टक्कर में 14 लोगों की मौत पर महाराष्ट्र सरकार को 'अशुभ करार दिया। राउत ने आरोप लगाया कि गांवों और जिलों में डकैती और हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, "मराठी मानुष पर हमला

करने की साजिश रची जा रही है। कल्याण इसकी शुरुआत है।" शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता ने दावा किया कि भाजपा ने 'मराठी मानुष के संगठन शिवसेना को विभाजित कर दिया, इसे कमजोर कर दिया ताकि मूल निवासियों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार किया जाए और मुंबई और उसके आसपास के इलाकों को गैर–मराठी भाषी बिल्डरों और व्यापारियों को दे दिया जाए। उन्होंने कहा, "राज्य विधानसभा चुनावों के बाद मराठी मानुष पर हमले बढ़ गए हैं। मराठी मानुष को मुंबई से बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है और ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि मराठी मानुष ठाणे और कल्याण में न रहें।" राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को शिवसेना बताने वाले अयोग्य हैं और कल्याण की घटना को लेकर चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, "वे (शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना) सत्ता में बने रहने के लिए बेताब हैं। भाजपा का रुख मराठी मानुष को तबाह करना है।"मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में तत्कालीन कांग्रेस–राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) गठबंधन सरकार और केंद्र की तत्कालीन मनमोहन सिंह नीत सरकार ने जिन कुछ संगठनों को शहरी नक्सलियों का मुखौटा संगठन घोषित किया था, वे 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल थे। राउत ने इस पर कहा कि मुख्यमंत्री जो कहते हैं, उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।

# सम्पादकीय

## कुछ भी कहो, सरकारी तंत्र में नहीं घटा भ्रष्टाचार

केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है। गैर भाजपा राज्यों की तरह भाजपा शासित राज्यों में भी प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचर का बोलबाला है। सरकारें मौन हैं। देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रहीं हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 66 प्रतिशत कंपनियों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप–तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई। जांच रिपोर्ट कहती है कि कई कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों, प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्वत देने की भी सूचना दी है। पिछले 12 महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्वत दी, उनमें से 54 प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 46 प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह की रिश्वत जबरन वसूली के बराबर है। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। सर्वे में दावा किया गया है कि सीसीटीवी से दूर, बंद दरवाजों के पीछे रिश्वत दी जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सरकारी ई–प्रोक्योरमेंट मार्केटप्लेस जैसी पहल भ्रष्टाचार को कम करने के लिए अच्छे कदम हैं, लेकिन सरकारी विभागों में रिश्वत लेने के रास्ते खुले हुए हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर डेलायट इंडिया के पार्टनर आकाश शर्मा ने कहना है कि बहुत सी कंपनियों को लगता है कि नीतियों और प्रक्रिया के मामलों में थोड़ा पैसा देते रहने नियम कानून के मोर्चे पर कड़ी जांच पड़ताल और जुर्माने से बच जाएंगे। सर्वे में 18,000 कारोबारियों के जवाब को शामिल किया गया है। सर्वे देश के 159 जिलों में हुआ है। व्यवसायों ने पिछले 12 महीनों में आपूर्तिकर्ता के रूप में अर्हता प्राप्त करने, कोटेशन और ऑर्डर सुरक्षित करने तथा भुगतान एकत्र करने के लिए विभिन्न प्रकार की संस्थाओं को रिश्वत देने की बात स्वीकार की है। यह सर्वेक्षण 22 मई से 30 नवंबर 2024 के बीच किया गया था। सर्वेक्षण में भाग लेने वाली व्यावसायिक फर्मों ने कहा कि 75 प्रतिशत रिश्वत कानूनी, मेट्रोलॉजी, खाद्य, औषधि, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकारियों को दी गई। सरकारी विभागों को घूस देने वाले कारोबारियों का प्रतिशत इस प्रकार है। कानूनी, माप तौल, खाद्य, दवा और स्वास्थ्य विभाग– 75, लेबर और पीएफ विभाग– 69, संपत्ति और भूमि पंजीकरणद् 68, जीएसटी अधिकारी– 62, प्रदूषण विभाग– 59, नगर निगम– 57, इनकम टैक्स– 47, अग्नि शमन– 45, पुलिस– 43, परिवहन– 42, बिजली– 41, आबकारी– 38। ये आंकड़े कुछ भी हों, सच्चाई इससे भी बदतर है। ये बड़े स्तर की बात है। स्थानीय स्तर पर तो हालत इससे भी खराब है। भाजपा शासित प्रदेश वाले राज्यों में तो सपा.बसपा शासन काल में जहां गलत काम एक हजार रुपये में हो जाता था, अब भाजपा शासन में गलत काम तो होता ही नहीं, सही काम कराने के भी एक हजार की जगह बीस हजार रुपये दिए जाते हैं। बिजली के कनेक्शन के लिए आवेदन करिये। ये बहुत छोटा काम है, किंतु बिजली इंस्पेक्टर को रिश्वत दिए कनेक्शन स्वीकृत नहीं होगा। बिजली की फीटिंग किसी से भी कराएं किंतु बिजली विभाग के अधिकृत ठेकेदार से बिजली फीटिंग का प्रमाणापत्र लेना होता है। यही ठेकेदार बिजली इंस्पेक्टर का भाग भी आपसे ले लेता है। रजिस्ट्रार आफिस में धड़ल्ले से बैनामे की राशि का दो प्रतिशत वसूला जाता है। यह राशि अधिकारी सीधे नही लेते। बैनामा लिखने वाला कातिब लेता है। शाम को बैठकर आराम से दिन भर का लेन. देन हो जाता है। एनओसी देने वाले विभागों की तो हालत और भी खराब है। फायर विभाग के अधिकारियों ने तो अपने ठेकेदार रख लिए हैं। अग्नि सुरक्षा का सारा काम ये ही कराते हैं। इसके बाद भी एनओसी साइन करने के लिए लाखों रुपया वसूला जाता है। और तो और अग्निशमन अधिकारी एनओसी देने से पहले फायर उपकरण अपने चहेते ठेकेदार से सप्लाई कराते हैं। स्थानीय निकाय में निर्माण कार्यो में 45 से 55 प्रतिशत सरे आम कमीशन लिया जा रहा है। केंद्र और प्रदेश सरकार के आदेश हैं कि सरकारी खरीद जेम पार्टल से हो। इसका भी रास्ता निकल गया। कंपनी के एजेंट अधिकारियों से मिलते हैं। कमीशन तै होता है। अधिकारी अपना जैम पोर्टल का पासवर्ड कंपनी के एजेंट को बता देते हैं। एजेंट पासवर्ड लेकर जैम पार्टल से ही अपनी फर्म से खरीदारी करता है। सामान के रेट में अधिकारियों का कमीशन जुड़ जाता है। सब वैसे ही चल रहा है। कहीं कुछ नहीं बदला। सरकार भ्रष्टाचार रोकने को आदेश बाद में करती है। अधिकारी और सप्लायर रास्ता पहले निकाल लेतें हैं। उत्तर प्रदेश में आदेश हो गए कि सामान प्रदेश स्तर से खरीदा जाएगा। अब काम और भी सरल हो गया। पहले जिलों में अधिकारियों से संपर्क कर माल सप्लाई होता था। अब अकेले प्रदेश स्तर में ही जुगाड़ करना पड़ता है।

# PA को दिया टिकट, 70 हजार से अधिक बैलेट पेपर रिजेक्ट, दायर की गई थी याचिका

### जब आंबेडकर को चुनाव हराने के लिए नेहरू ने लगा दिया था जी–जान

अभिनय आकाश

13 फरवरी 2023 अंग्रेजी अखबार द हिंदू की एक खबर जिसका शीर्षक ष्इंडियाज फर्स्ट लॉ मिनिस्टर डॉ. आंबेडकर रेजिगनेशन लेटर लॉस्ट फ्राम द रिकार्डष् यानी भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. अम्बेडकर का इस्तीफा दस्तावेजों से गायब। वो इस्तीफा जो डॉ. आंबेडकर के विचारों की दृढ़ता का सबूत था। कहानी 14 और 15 अगस्त के दरमियानी रात को शुरू होती है। जब आधी दुनिया सो रही थी तो हिंदुस्तान अपनी नियती से मिलन कर रहा था। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का ट्रिस्ट विद डेस्टनी वाला भाषण भारत की स्वतंत्रता का पर्याय बना। देश आजाद हो चुका था और अब बारी थी कि देश की तकदीर देश के ही लोगों के हाथों तय करने की और जिसके लिए आम चुनाव जरूरी थे। इसी क्रम में संविधान बना। जिसका अंतिम पाठ होने के बाद संविधान सभा में डा. अंबेडकर ने अपने अंतिम भाषण में कहा था कि 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र होगा। लेकिन उसकी स्वतंत्रता का भविष्य क्या है? क्या वह अपनी स्वतंत्रता बनाए रखेगा या उसे फिर से खो देगा? मेरे मन में आने वाला यह पहला विचार है३ 26 जनवरी 1950 को भारत एक प्रजातांत्रिक देश बन जाएगा। उस दिन से भारत की जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए बनी एक सरकार होगी। क्या भारत अपने प्रजातांत्रिक संविधान को बनाए रखेगा या फिर खो देगा? मेरे मन में आने वाला यह दूसरा विचार है और यह भी पहले विचार जितना चिंताजनक है। 26 जनवरी 1950 से हम विरोधाभास से भरे जीवन में शामिल होने वाले हैं। राजनीतिक जीवन में तो समानता हमारे पास होगी। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में नहीं। कहने का मतलब हाशिए पर रखे गए लोगों के लिए बराबरी की बात तो तय कर दिए गए थे। लेकिन समाज और पैसे के मामले में ये अभी भी दूर की बात थी। ऐसे ही हाशिए पर रहे एक वर्ग के लिए उन्होंने कुछ सुधार करनी की सोची। जब आजादी के बाद अंतरिम सरकार में वो कानून मंत्री बनाए गए। ये भारत की आजादी से कुछ हफ्ते पहले की बात है, पंडित जवाहरलाल नेहरू बीआर अम्बेडकर को कानून मंत्री के रूप में अपने नए मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। कैबिनेट के अधिकांश अन्य सदस्यों के विपरीत, अम्बेडकर कांग्रेस पार्टी का हिस्सा नहीं थे और न ही वे उन मूल्यों को साझा करते थे जिनमें नेहरू और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अन्य वरिष्ठ नेता विश्वास करते थे। पहले कैबिनेट का हिस्सा होने के बावजूद, कांग्रेस के अधिकांश नेताओं के साथ अम्बेडकर के संबंध अपेक्षाकृत मजबूत आधार पर टिके थे। । इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने यहां तक ष्आरोप लगाया था कि नेहरू–आंबेडकर के रिश्ते को अस्पष्ट बना दिया गया है। इसके बारे में कोई किताब नहीं है, न ही मेरी जानकारी में एक अच्छा विद्वत्तापूर्ण लेख भी है। रामचंद्र गुहा की किताब मेकर्स ऑफ मार्डन इंडिया के अनुसार 1940 के दशक में भारत के तब के कानून मंत्री आंबेडकर ने हिंदू पर्सनल लॉ में बदलाव की सोची, ताकी महिलाएं मर्जी से पति चुन सकें। तलाक ले सकें और पिता की संपत्ति में हक पा सकें। प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू ने भी इसका समर्थन किया। लेकिन इसमें आगे का काम रूढ़िवादी नेताओं के चलते रुकने लगा। अम्बेडकर संविधान का मसौदा तैयार करने में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मसौदा तैयार करने से पहले ही उन्होंने हिंदू कोड बिल पर काम करना शुरू कर दिया था, जिसने पारंपरिक हिंदू कानून के कई वर्गों को आधुनिक बनाने का प्रयास किया था। संपत्ति, विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के आदेश से संबंधित कानूनों को संबोधित करते हुए अप्रैल 1947 में संसद में विधेयक पेश किया गया था। इसमें गौर करने वाली बात ये है कि अम्बेडकर ने कानून को ष्अब तक किए गए सबसे महान सामाजिक सुधार उपायष् के रूप में वर्णित किया। लेकिन जबकि नेहरू का मानना ष्था कि धर्म केवल निजी क्षेत्र में ही मौजूद होना चाहिए, संसद के कई सदस्य इससे असहमत थे। जवाहरलाल नेहरू एंड द हिंदू कोड नामक एक जर्नल लेख में, इतिहासकार रेबा सोम लिखती हैं कि नेहरू की सरकार के सदस्यों ने हिंदू कोड बिल का पुरजोर विरोध किया। नेहरू ने उनके पारित होने की सुविधा के लिए संहिता को चार अलग–अलग भागों में तोड़ने का फैसला किया। हालाँकि, 1951 तक, बिल पारित नहीं हुए थे और अम्बेडकर ने निराश होकर कानून मंत्री के रूप में इस्तीफा दे दिया। डॉ. आंबेडकर का राजनीतिक करियर उनके सामाजिक जीवन का ही हिस्सा था। जो कि हाशिए पर रखे लोगों के अधिकारों का जरिया था। देश को आजादी तो मिल गई थी लेकिन समाज में तमाम वर्गों के लिए काम अभी बाकी था। इस इस्तीफे के बाद उन्होंने पहले चुनाव में हाथ आजमाया। आजाद भारत के आम चुनाव दस्तक देते हैं। पांच महीनों तक चले इस चुनाव में डॉ. आंबेडकर भी मैदान में थे। साल 1952 में आंबेडकर उत्तर मुंबई लोकसभा सीट से लड़े। लेकिन कांग्रेस ने आंबेडकर के ही पूर्व सहयोगी एनएस काजोलकर को टिकट दिया और अंबेडकर 15 हजार के करीब वोट से चुनाव हार गए। कांग्रेस ने कहा कि अंबेडकर सोशल पार्टी के साथ थे इसलिए उसके पास, उनका विरोध करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। नेहरू ने दो बार निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और आखि़र में अंबेडकर 15 हज़ार वोटों से चुनाव हार गए। कांग्रेस के नेतृत्व और नेहरू के प्रभाव का इस चुनाव पर सीधा असर रहा था। हालांकि हार के बाद आंडेबडकर ने चुनाव के नतीजों पर सवाल भी उठाए। मूक नायक के मुताबिक ये हार उनके लिए कष्टदायक भी थी क्योंकि महाराष्ट्र उनकी कर्म भूमि थी। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि बंबई के लोगों के भारी समर्थन को किस प्रकार इतनी बुरी तरह से नकार दिया गया। ये वास्तव में चुनाव आयुक्त द्वारा जांच का विषय है। आगे आंबेडकर और अशोक मेहता ने एक साझा याचिका भी दायर की और मुख्य चुनाव आयुक्त से चुनाव रद्द करने की मांग भी की। उन्होंने ये दावा किया कि 70 हजार से अधिक बैलेट पेपर रिजेक्ट कर दिए गए और गिने नहीं गए। हालांकि चुनाव आयोग ने इस याचिका पर क्या कार्रवाई की ये कभी सामने नहीं आया। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई, अंबेडकर को 1954 में कांग्रेस ने बंडारा लोकसभा उपचुनाव में एक बार फिर हराया। वहीं अगले आम चुनाव होने तक उनका निधन हो गया।

# सोने के बेलगाम आयात ने किया रुपये का बंटाधार

डॉ. ज्ञान पाठक

बजट 2024–25 में सोने के पक्ष में नीतिगत उपायों के लिए भारत सरकार द्वारा आगे लाये गये तर्को में से एक था भारतीय रुपये की कमजोरियों को दूर करना, लेकिन 18 दिसम्बर को यह ऐतिहासिक निचले स्तर 85.17 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया। उसके एक दिन पहले सुबह के कारोबार में यह 84.93 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। दूसरा तर्क यह दिया गया था कि सोना और अधिक किफायती हो जायेगा, लेकिन इसकी दर 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी। इसके अलावा, सोने का आयात चार गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड उच्च स्तर 37.9अरब डॉलर पर पहुंच गया। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2024 में 14.9अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले नवंबर 2023 में यह 3.5 अरब डॉलर था, जिससे यह भारत के आयात बास्केट में पेट्रोलियम के बाद 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा आयातित पदार्थ हो गया। गैर–तेल निर्यात से होने वाला लाभ सोने के आयात खर्च में ही सफा–चट (खत्म) हो गया। सोने पर बेतहाशा बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है। नवंबर में भारत का आयात लगभग 70अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च मूल्य पर पहुंच गया। रिकॉर्ड व्यापारिक व्यापार घाटा पिछले महीने अक्टूबर में 27.14 अरब डॉलर से बढ़कर 37.84अरब डॉलर और नवंबर 2023 में 21.31अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोने के आयात में उछाल का कारण वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि और इसकी सुरक्षित पनाहगाह की स्थिति को बताया है, ऐसे समय में जब स्टॉक मार्केट अस्थिर बना हुआ है।सोने पर कम सीमा शुल्क ने सोने के आयात में जबरदस्त योगदान दिया। केंद्रीय बजट 2024–25 में सोने पर आयात शुल्क 1 जुलाई 2022 से 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था। यह जून 2013 के बाद से सबसे कम है, जब यह 8 प्रतिशत था। 13 अगस्त 2013 को इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गयाय 6 जुलाई 2019 को 12.88 प्रतिशतय 2 फरवरी 2021 को घटाकर 10.75 प्रतिशतय और 1 जुलाई 2022 को इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। आइए, प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पिछले एक दशक के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर एक नजर डालते हैं।

# सनातन धर्म सुरक्षित तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित : सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम के अशर्फी भवन आश्रम में आयोजित भव्य अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ और पंच नारायण महायज्ञ में भाग लिया। सीएम योगी ने महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और शांति का प्रसार होता है। ऐतिहासिक मंदिरों पर आक्रमण की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग इन पवित्र स्थलों को नष्ट करने का काम करते थे, उनका कुल और वंश नष्ट हो गया। औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं। यह उनकी दुर्गति है। अगर उन्होंने पुण्य किए होते और मंदिरों को न तोड़ा होता, तो क्या उनकी ऐसी स्थिति होती? विश्व शांति की स्थापना केवल सनातन धर्म के माध्यम से हो सकती है। यह शाश्वत धर्म है, जो सृष्टि के आरंभ से ही चला आ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि विरासत और विकास के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या के वैभव को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास इसका जीवंत उदाहरण है। यह यज्ञ न केवल आत्मशुद्धि और पर्यावरण शुद्धि का माध्यम है, बल्कि यह सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मां सरयू के पवित्र अंचल और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर हो रहा है, जो इस यज्ञ को और भी विशेष बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि जिन गलतियों की वजह से भारत को गुलामी की बेड़ियां झेलनी पड़ीं और हमारे धर्म स्थलों का अपमान हुआ, उन्हें दोबारा नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने भारतवासियों से सनातन धर्म की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि अगर विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। यह धर्म सभी के कल्याण की बात करता है। उन्होंने

वसुधैव कुटुंबकम का संदर्भ देते हुए कहा कि यह केवल सनातन धर्म है, जिसने हर जाति और मजहब के लोगों को विपत्ति के समय शरण दी है। सीएम योगी ने कहा कि भारत तब तक भारत है जब तक यहां सनातन धर्म सुरक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। युगों-युगों से सनातन धर्म ने सृष्टि के साथ तालमेल बनाकर खुद को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसे किसी भी प्रकार की विकृतियों या विसंगतियों से बचाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। भारत तब तक भारत है जब तक भारत के अंदर सनातन धर्म सुरक्षित है। इसकी रक्षा के लिए इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर के कार्य करना होगा। यह एक शाश्वत धर्म है, सृष्टि के साथ चला हुआ धर्म है हो सकता है कि किसी कालखंड में कुछ विसंगतियां आई हो लेकिन, विसंगती का परिमार्जन भी हमारे ऋषि मुनि संतो के माध्यम से समय-समय पर महापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए हम करेंगे। कहीं भी हम आपसी उन फूट का, आपसी बंटवारे का, आपसी विभाजन की गलतियों को पूरे देश और पूरे धर्म को नहीं भुगतने देंगे, इस संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आज बांग्लादेश में क्या हो रहा है, पाकिस्तान में क्या हुआ था, इससे पहले अफगानिस्तान में क्या हुआ ? मैं पूछना चाहता हूं उन लोगों से वह कौन लोग थे जिन्होंने देश के अंदर सनातन धर्म से जुड़े हुए उन मान बिंदुओं को नष्ट करने का काम किया था, और क्यों किया था, उसके पीछे की नीयत क्या थी। उसके पीछे की नियति थी अपने कुकृत्यों को अंजाम दे करके पूरी धरती को नर्क बनाने की।

## दो किलो सोना गायब करने वाला गिरफ्तार,मालिक को दी फर्जी लूट की सूचना

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक ज्वैलर्स के मुनीम ने करीब दो किलो सोना का गबन करने वाले ज्वैलर्स के मुनीम को गिरफ्तार कर लिया। उसने अपने मालिक को फर्जी लूट की सूचना देकर सोना हड़पने का प्लान बनाया था। घटना की जानकारी होती लखनऊ सेंट्रल जोन पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी करने के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। घटना संदिग्ध लगने पर मुनीम से पूछताछ की तो सामने आया कि उसने सोना हड़पने के लिए लूट की फर्जी सूचना दी थी। डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर सोना बरामद कर लिया है। घटना से जुड़े अन्य बिंदुओ पर जांच पड़ताल की जा रही है। महानगर स्थित हंसिनी ज्वैलर्स का मुनीम अमन सोढ़ी ने मालिक गौरव अग्रवाल को सूचना दी कि नदवा रोड पर अली क्लाथ हाउस के पास बाइक सवार लुटेरों ने उसके सिर पर लोहे की सरिया मारकर सोने के दो बिस्किट लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी ने जोन की टीम के साथ पूरे इलाके में नाका बंदी कराकर चेकिंग शुरू करा दी। जांच में घटना संदिग्ध लगने पर अमन से सख्ती से पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि उसने सोना हड़पने के लिए फर्जी सूचना दी थी। जिन्हें अपने कमरे में छिपा दिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर सोने के दोनों बिस्किट बरामद कर जांच पड़ताल कर रही है। जिनकी बजार में कीमत करीब दो करोड़ रुपए बताई जा रही है।

## गृहमंत्री के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन

संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जिला कलेक्ट्रेट पर आज कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। अमित शाह के द्वारा संसद में दिए गए एक बयान को लेकर कांग्रेसियों ने जोरदार हल्ला बोला और उन्होंने अमित शाह पर बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया।एडीएम को ज्ञापन सौप कर उन्होंने ग्रह मंत्री अमित शाह के इस्तीफा की मांग की। गृहमंत्री अमित शाह की एक वीडियो क्लिप को लेकर लगातार कांग्रेस हमलावर हुई है, लगातार कांग्रेसियों के द्वारा जगह-जगह पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं और इसी कड़ी में आज सूरजपुर स्थित जिला कलेक्ट्रेट पर भी कांग्रेसियों ने जोरदार हल्ला बोला। भारी मात्रा में कांग्रेस इकट्ठा होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान हाथों में बैनर पोस्टर लेकर उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि अमित शाह के द्वारा बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया गया है इसलिए उन्हें पद पर रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने अमित शाह के इस्तीफे की मांग की और जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

## स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी,बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड पहुंचा, चला सर्च ऑपरेशन

संवाददाता

नोएडा। नोएडा में सेक्टर 126 स्थित लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार सुबह धमकी भरा मेल आया। जिसमें लिखा था कि स्कूल में बम है। इस धमकी से स्कूल में हड़कंप मच गया। जिसके बाद वहां के प्रबंधक ने नोएडा पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने पूरे स्कूल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन वहां पर कुछ नहीं मिला। हालांकि सुरक्षा के नजरिए से बच्चों को घर भेज दिया गया था। नोएडा के थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल है। पुलिस ने बताया कि स्कूल की मेल पर देर रात 12 बजे एक ई-मेल आया था।

## कल से बदलेगा मौसम, बढ़ेगी ठंड और ठिठुरन, प्रदूषित हुई हवा

संवाददाता

लखनऊ। मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। 22 दिसंबर से मौसम बदलने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान लुढ़केगा और ठिठुरन के साथ ठंड बढ़ेगी। पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिसंबर के मौसम में ठिठुरन और गलन कम रही है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक है। शुक्रवार को सुबह से ही ठिठुरन और गलन कम रही। साथ ही चटख धूप खिली। हवा पूर्व दिशा से चली जरूर लेकिन उसकी गति कम रही। अधिकतम तापमान 24.3 और न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 और न्यूनतम तापमान सामान्य से .9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है इसलिए हवा पूर्व दिशा से चल रही है। रात का तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। गलन और ठिठुरन कम रहेगी। 22 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होगा और मौसम में तेज बदलाव आएगा। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री तक गिरेंगे। तापमान गिरने के

साथ ही हवा की दिशा उत्तर पश्चिम व पछुवा हो जाएगी, जिससे ठंड बढ़ना शुरू हो जाएगी। शहर में वायु प्रदूषण एक बार फिर बढ़ने लगा है। हवा दमघोंटू होने लगी है। शहर का एक्यूआई 213 रहा। लालबाग रेड जाने के साथ आज भी लाल रहा। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 306 रिकार्ड किया गया। वायु प्रदूषण अक्टूबर से बढ़ना शुरू हुआ था। इसके बाद से लगातार बढ़ ही रहा है। बीच में कुछ दिन के लिए राहत मिली थी। वायु प्रदूषण रोकने के लिए आलाधिकारियों ने निर्देश दिए मगर उस पर पूर्ण रूप से अमल नहीं किया गया। वायु प्रदूषण रोकने के नाम पर सिर्फ जल छिड़काव कराया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय अलीगंज में वायु गुणवत्ता सूचकांक 270 रहा। बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय में 175, गोमतीनगर 163, कुकरैल पिकनिक स्पाट-1 142 और तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र में एक्यूआई 230 रहा। तीन क्षेत्र येलो और दो आरेंज जोन में रहे।

## स्वार्थ की राजनीति कर रहा सत्ता व विपक्ष- बाबा साहेब को लेकर अमित शाह की टिप्पणी पर बोलीं मायावती

संवाददाता

लखनऊ। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर सियासत तेज हो गई। पूरा विपक्ष शाह से माफी मांगने की बात पर अड़ा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कड़ी नाराजगी जताई है। मायावती ने इसे लेकर ताबड़तोड़ चार ट्वीट की। उन्होंने कहा कि बीजेपी के अमित शाह द्वारा संसद में दलित व अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बारे में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है उससे इन वर्गों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। ऐसे में उन शब्दों को वापस लेकर इनको पश्चाताप

भी जरूर करना चाहिए। उन्होंने इसे लेकर कांग्रेस पर भी हमला बोला। मायावती अपने दूसरे पोस्ट में कहा कि वैसे कांग्रेस, भाजपा व इनकी सहयोगी दलों का चाल, चरित्र व चेहरा बाबा साहेब डा. अम्बेडकर व उनके करोड़ों दलित-पिछड़े, शोषित-पीड़ित अनुयाइयों के हित व कल्याण के प्रति हमेशा संकीर्ण व जातिवादी रहने के कारण इनके सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक हालात लगातार बदतर, इससे इंकार असंभव। मायावती ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि बाबा साहेब डा. अम्बेडकर के प्रति दिल से सम्मान नहीं करना व उनके अनुयाइयों के विरुद्ध अन्याय-अत्याचार तथा इनको संवैधानिक व कानूनी हक देने के बजाय छीनने में भी यह पार्टियाँ एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। इसको लेकर सत्ता व विपक्ष के बीच जारी तकरार केवल वोट के स्वार्थ की राजनीति। साथ ही, संविधान का जगह-जगह लहराना व नीला रंग पहनना आदि दिखावे की सस्ती राजनीति। यह सब करने के पहले सत्ता व विपक्ष दोनों को अपने दिल में पड़े संकीर्णता, जातिवाद एवं द्वेष आदि के कालेपन को साफ करके पाक-साफ करना होगा तभी इन वर्गों का व देश का भी सही हित संभव।

# आलमबाग रेलवे पर 2 ट्रेनों की टक्कर की सूचना पर पहुंचे अधिकारी, रेस्क्यू ऑपरेशन का रिहर्सल किया

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग रेलवे स्टेशन पर दो ट्रेनों में टक्कर के बाद एक ट्रेन दूसरी ट्रेन के ऊपर चढ़ गई। इससे चारो तरफ चीख पुकार मच गई। आग लगने के साथ ट्रेन से धुएं का गुबार उठने लगा। इससे 1 की मौत हो गई। 20 यात्री घायल हो गए। मॉक ड्रिल में दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान उत्तर रेलवे की तरफ से चलाया गया है। इसमें कुंभ के दौरान होने वाली तैयारियों को भी परखा गया है। रेलवे और जिला प्रशासन को सूचना मिलते ही मौके पर एनडीआरएफ,एसडीआरएफ,जीआरपी, आरपीएफ स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम यात्रियों को बचाने के लिए पहुंच गई। दुर्घटना के बाद आपातकालीन स्थिति में रेलवे के साथ राज्य की कई एजेंसी टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। रेलवे ने बताया कि कर्मचारियों की वास्तविक दुर्घटना के समय सतर्कता और सजगता की जांच करने के उद्देश्य से लखनऊ मंडल द्वारा लखनऊ आलमबाग यार्ड पर एक दुर्घटना मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। इसमें कुछ लोगों को ट्रेन से सुरक्षित निकाला गया। कई लोग इसमें घायल भी हो गए। डीआरएम एसएन शर्मा ने बताया कि मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। कुंभ में भी तीन जगहों पर ट्रेनिंग दी गई है। 3,600 रेलवे कर्मी बाहर से आए हैं। इन्हें भी ट्रेनिंग दी जा रही। आज हुई मॉक ड्रिल में सभी एजेंसियों ने काम किया है। मॉक ड्रिल में कुल 20 लोग घायल हुए हैं। इसमें एक व्यक्ति की मौत भी हो गई। सभी एजेंसियों ने तेजी से काम किया है। अयोध्या और कानपुर से भी आपातकालीन स्थिति में एजेंसी यहां पर बुलाई गई है। यह मॉक ड्रिल इसलिए कि गई है ताकि

जरूरत पड़ने पर तेजी से काम किया जाए और रेलवे कर्मी फिट रहें। क्योंकि दुर्घटना होने पर दिमाग काम करना बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियों के साथ हम मॉक ड्रिल कर रहे हैं किसी भी एजेंसी को मालूम नहीं था कि आज मॉक ड्रिल किया जाएगा। हमारा उद्देश्य था यह जानना कि कौन कितनी जल्दी घटनास्थल पर पहुंचता है और जो दायित्व है वह किस तरह से निर्वहन किया जा रहा है और सभी भी साइट्स पर अलग–अलग लोग ऑब्जरवेशन कर रहे हैं और मुख्य उद्देश्य यह था कि हम सभी एक प्लेटफार्म पर बैठे और एक साथ रेस्क्यू करने की कोशिश करें और जो कमियां आती है वह मॉक में ही पता चल जाए। ऐसी जरूरत एजर कभी पड़ती है तो हम एक सब एकदम तैयार है और पूरा स्टाफ तैयार हो चुका है और अभी लखनऊ टीम के साथ हुआ है और आने वाले दिनों में हम प्रयागराज में भी करेंगे और अभी छोटी–मोटी मॉक ड्रिल वहां भी शुरू हो गई है और अभी पूरी तरह से हम स्टाफ को ट्रेनिंग दे रहे हैं मेडिकल और फायर की और बड़े स्तर पर जल्दी वहां पर भी मॉक ड्रिल शुरू की जाएगी। मोबाइल का रिस्पांस टाइम सभी एजेंसियों का अलग–अलग है, जो कमियां है उसको हम अवगत भी करवाएंगे।

## बाउंड्री से टकराकर जली हॉंडा सिटी कार,महिला ड्राइवर ने भागकर बचाई जान

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के पास शुक्रवार तड़के एक कार में आग लग गई। कार के इंजन से आग निकलते देख महिला चालक ने शोर मचाना शुरू किया। सूचना पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने करीब 10 मिनट में आग पर काबू पा लिया। आग से कार पूरी तरह से जल गई। गोमती नगर एसएचओ के मुताबिक गोमती नगर निवासी आनंद मौर्या की पत्नी किरन अपनी हॉंडा सिटी कार से घर से निकली थीं। वह जनेश्वर मिश्र पार्क की तरफ से शहीद पथ की तरफ जा रही थीं। उन्होंने बताया कि अचानक कार रोड के किनारे बाउंड्री से टकरा गई, जिससे इंजन की तरफ आग लग गई। दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है।

# बलरामपुर चिकित्सालय में लगा रक्तदान शिविर

संवाददाता

लखनऊ। ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम द्वारा आज बलरामपुर चिकित्सालय की ओपीडी में एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मदरसा नदवा तुल उलेमा के 70 छात्रों ने समाज और मानवता के लिए रक्त दान किया। इस रक्त दान शिविर में डॉ. सुशील प्रकाश डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय, डॉ. संजय तेवतिया सीएमएस बलरामपुर चिकित्सालय, डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, डॉ विनोद एच. गुप्ता इंचार्ज ब्लड बैंक और संस्था के सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर डायरेक्टर बलरामपुर चिकित्सालय डॉ सुशील प्रकाश ने संस्था को इस पुनीत काम के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि रक्त दान करना पुण्य का काम है, इन छात्रों ने जो रक्त दान किया है उनका ये कार्य मानवता की मिसाल है। आज पूरे देश में लोग जाति और धर्म के नाम पर कुछ भी करने को तैयार हैं लेकिन रक्तदान से पीछे रहते हैं, वहीं मदरसा नदवा तुल उलेमा के इन छात्रों ने जो रक्तदान किया है वो किसी न किसी की जान बचाएगा और वो भी बिना किसी की जात और धर्म देखे। हमारे देश में हर साल न जाने कितने ही लोग सिर्फ समय पर रक्त न मिलने से जान गवां बैठते हैं, यह ऐसी चीज है जो किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। दुनिया के हर धर्म से बड़ा मानवता का धर्म है। डॉ संजय तेवतिया सीएमएस बलरामपुर चिकित्सालय ने कहा कि छात्रों ने रक्त दान कर मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा किया है। आज हमारे समाज में इस तरह के काम बहुत कम हो गये हैं। आज हमें लोगों को रक्त दान के लिए ज़्यादा से ज़्यादा जागरूक करने की जरूरत है, क्या पता आपके द्वारा दान किया गया रक्त, आप के ही किसी अपने के काम आ जाये।

# कांग्रेस ने निकाला विरोध मार्च,राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

लखनऊ।राजधानी लखनऊ में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन। शहर कमेटी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव और शहजाद आलम के नेतृत्व में विरोध मार्च निकाला गया। हजरतगंज स्थित परिवर्तन चौक से नारेबाजी करते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता। कांग्रेस ने इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग किया। शहर कमेटी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने कहा कि सदन में दिया गया बयान बेहद अफसोस नाक है। संविधान रचयिता के ऊपर अपमानजनक टिप्पणी की जा रही है। अमित शाह तत्काल पूरे देश से माफी मांगे। बाबा साहब ने पूरे देश के शोषितों ,वंचितों को सम्मान देने का काम किया है। उनका अपमान किसी भी हाल में देश बर्दाश्त नहीं करेगा। जब तक अमित शाह माफी नहीं मांग लेंगे यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। अमित श्रीवास्तव ने कहा कि सदन में जिस तरीके से बाबा साहब का नाम लिया है वह अपने आप में अपमानजनक है। बाबा साहब से पूरे देश के लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई है। सभी देशवासियों से अमित शाह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। हमारी पार्टी बाबा साहब के विचारों पर चलने

वाली है। दिल्ली से लेकर यूपी तक हर जगह हमारी पार्टी के कार्यकर्ता बाबा साहब के सम्मान में उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने महापुरुषों के नाम पर कभी राजनीति नहीं किया। हमारी पार्टी ने राजनीतिक लाभ के लिए किसी महापुरुष के नाम का इस्तेमाल नहीं किया। अमित श्रीवास्तव ने कहा कि सदन के अंदर जिस तरीके से राहुल गांधी के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है हम उसका भी विरोध करते हैं। राहुल गांधी की लोकप्रियता से भारतीय जनता पार्टी बौखला गई है। इसलिए ऐसी ओछी हरकतें कर रही है। ऐसे बेबुनियाद आरोपी से हमारे नेता राहुल गांधी पीछे हटने वाले नहीं है। संविधान की और आम आदमी के हितों की जो लड़ाई है वह जारी रहेगी। जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

# मौलाना ने मोहन भागवत के बयान का स्वागत किया

## सर्वे के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ, पाकिस्तान हिंदू–मुसलमान को लड़वाना चाह रहा : यासूब अब्बास

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने मोहन भागवत के बयान का स्वागत किया। मौलाना ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान समाज में सद्भावना काम करने के लिए बेहद अहम है। हर मस्जिद और दरगाह में मंदिर तलाशना बंद किया जाना चाहिए। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि हम मोहन भागवत के बयान का स्वागत करते हैं । मोहन भागवत ने इस बात का विरोध किया है कि हर मस्जिद और दरगाह में शिवलिंग और मंदिर नहीं तलाशना चाहिए। इससे देश का माहौल खराब हो रहा है। मौलाना ने कहा कि मोहन भागवत के इस बयान से समाज को गहरा संदेश जाएगा। खासकर जो लोग मंदिर तलाश रहे हैं उन्हें मोहन भागवत के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। मौजूदा समय में जो हालात है इसमें यह बयान समाज को जोड़ने का काम करेगा।

मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि सियासी फायदे के लिए मस्जिदों को निशाना बनाया जा रहा है। हर मस्जिद के नीचे मंदिर का सर्वे करना यह स्वस्थ समाज के लिए बेहद हानिकारक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि उन लोगों के ऊपर लगाम लगाए जो निजी स्वार्थ के लिए मस्जिदों के सर्वे करवा रहे हैं। मौलाना ने कहा कि लगातार जो सर्वे हो रहे हैं इसके पीछे विदेशी ताकते शामिल हैं । खास कर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान इसका लाभ उठाना चाह रहा है । हमारे देश के हिंदू और मुसलमान को आपस में लड़वाना चाह रहे हैं। विदेशी ताकत हिंदू समाज से मंदिर तलाश करवा रही है और मुस्लिम समाज से अल्लाह हू अकबर के नारे लगवा रही है। हिंदू और मुसलमान के आपसी विरोध में देश का नुकसान हो रहा है।

# गीत नया गाता हूं कार्यक्रम का आयोजन, रिटायर कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाददाता

लखनऊ। हजरतगंज स्थित उ.प्र हिंदी संस्थान में राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उ.प्र और डेल्फिक एसोसिएशन द्वारा गीत नया गाता हूं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के अवसर पर हुआ। कार्यक्रम में मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रमेश प्रसन्न महासचिव अंतरराष्ट्रीय डेल्फिक काउंसिल और अशोक सिंह सेक्रेटरी नेशनल डेल्फिक काउंसिल सहित अन्य अतिथि शामिल थे। सभी अतिथियों का स्वागत पगड़ी, प्रतीक चिह्न, पुस्तक और शॉल से किया गया। कार्यक्रम का शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। वाणी वंदना का पाठ डॉ. शोभा दीक्षित भावना ने किया। संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी और डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा ने अतिथियों का परिचय कराया। महामंत्री डॉ. सीमा गुप्ता ने संस्थान की भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। सौरभ श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, डॉ. शोभा त्रिपाठी, प्रतिभा और अमरेन्द्र द्विवेदी ने काव्य पाठ किया। अमरेन्द्र द्विवेदी की कविता शगीत नया गाता हूं, दिल की बातें हमे तुम सुनाया करो हर सुबह ख्वाब में आया करो और मैं अटल हूं श्रोताओं का मन मोह लिया। काव्य पाठ समापन में कवियों को प्रतीक चिह्न और शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष और डेल्फिक एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के सचिव डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र आईएएस ने की। डॉ. रामकृष्ण स्वर्णकार आईपीएस विशेष अतिथि रहे। कार्यक्रम में संस्थान के सदस्य रेनू वर्मा, इं. सुनील कुमार वाजपेयी और पूर्णिमा बेदार श्रीवास्तव ने रिटायर कर्मचारियों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया।

# 650 एकड़ में बनेगा अलीगढ़ मंडल का पहला पशु चिकित्सा महाविद्यालय, वेटरनरी यूनिवर्सिटी की भी प्लानिंग

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मंडल का पहला पशु चिकित्सा महाविद्यालय (वेटरनरी कॉलेज) महुआखेड़ा के पास बनेगा। इस कालेज के लिए महुआखेड़ा, गुरसिकरनपुर और दारापुर गांव में पशुपालन विभाग की लगभग 650 एकड़ जमीन तय की गई है। यह जमीन तीनों गांवों के बीच है, जिसका स्वामित्व उत्तर प्रदेश पशुधन उद्योग निगम लिमिटेड सीडीएफ अलीगढ़ के पास है। यह जगह महुआखेड़ा थाना रोड से पनैठी से जुड़ती है। जहां से सीधे जीटी रोड हाईवे शुरू हो जाता है। यह हाईवे कानपुर, आगरा, मथुरा, गाजियाबाद, पलवल, नोएडा हाईवे से जुड़ता है। इसलिए इस प्रस्तावित वेटरनरी कॉलेज को भविष्य में वेटरनरी यूनिवर्सिटी में बदलने की भी योजना है, क्योंकि यहां जगह की कमी नहीं है। इसके अलावा इसकी भौगोलिक स्थिति भी बहुत अच्छी है। वेटरनरी कॉलेज में पशु चिकित्सा अस्पताल, एकेडमिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास, पार्किंग, पार्क आदि का निर्माण कराया जाएगा। शुरुआती दौर में यहां 50 से 60 सीट होंगी, जिनको बाद में बढ़ा कर 100 से 150 तक किया जा सकेगा। इसको उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (दुवासु) मथुरा से संबद्ध किया जाएगा। इसके निर्माण में लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। पहली किस्त के रूप में 100 करोड़ रुपये जारी होगी। गोरखपुर और भदोही में वर्तमान में पशु चिकित्सा महाविद्यालय (वेटरनरी कॉलेज) निर्माणाधीन हैं। इस कॉलेज की स्थापना का प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भेजा गया है। उनकी मंजूरी मिलते ही इसका काम आगे बढ़ जाएगा। 20–21 दिसंबर को छर्रा विधायक ठा. रवेंद्रपाल सिंह सीएम योगी के समक्ष यह प्रस्ताव प्रस्तुत

करेंगे। केंद्रीय पशुपालन मंत्री एसपी सिंह बघेल और उत्तर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री धर्मपाल सिंह के पास यह प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। इन दोनों मंत्रियों की सहमति भी मिल चुकी है। अलीगढ़ मंडल का पहला पशु चिकित्सा महाविद्यालय जल्द ही बनेगा। महुआखेड़ा, गुरसिकरनपुर और दारापुर गांव में 650 एकड़ जमीन इस योजना के लिए प्रस्तावित की गई है। इसका प्रस्ताव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही मंजूरी मिलेगी।–डॉ. एनएन शुक्ला, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अलीगढ़। महुआखेड़ा में उत्तर प्रदेश पशुधन उद्योग निगम लिमिटेड सीडीएफ अलीगढ़ की खाली जमीन पर पांच वृहद गो संरक्षण केंद्र भी बनाने का प्रस्ताव है। एक वृहद गो संरक्षण केंद्र पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके साथ ही एक बड़ा पशु चिकित्सालय भी बनाया जाएगा। इसमें लगभग दो करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां सभी बीमार पशुओं का उपचार किया जा सकेगा। अलीगढ़ के पशु चिकित्सा महाविद्यालय को भविष्य में वेटरनरी यूनिवर्सिटी बनाने की योजना भी है। यूनिवर्सिटी बनाने के लिए जरूरी बड़ी जमीन (650 एकड़ तक) यहां आसानी से उपलब्ध है।

## वर्दी पहना हर व्यक्ति पुलिस नहीं...दंपती के साथ जो हुआ, वो आपके साथ न हो जाए

संवाददाता

आगरा। आगरा में टप्पेबाज गैंग फिर सक्रिय हो गया। सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार को टप्पेबाजों ने पुलिस और सेना की वर्दी पहनकर दंपती को लूट और हत्या का भय दिखाकर रोक लिया। महिला के गहने उतरवाकर कागज में रख दिए। पैकेट बदलकर फरार हो गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान के प्रयास में लगी है। डिफेंस स्टेट फेज–2, सदर निवासी अतर सिंह ने पुलिस को बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे वह पत्नी गजेंद्र कौर के साथ वैभव नगर से घर लौट रहे थे। रास्ते में क्लार्क शीराज होटल के पास पुलिस और सेना की वर्दी में बाइक पर आए दो युवकों ने रोक लिया। हत्या और लूट का भय दिखाया। कहा कि आगे एक युवक को लूटकर बदमाशों ने उसकी हत्या कर दी है। अधिकरी चेकिंग कर रहे हैं। पहने हुए जेवरात उतारकर रख लो। इस पर उन्होंने पत्नी के सोने के दो कंगन और आठ अंगूठी उताकर एक कागज के पैकेट में बंद कर रख दिए। बातों में उलझाकर पैकेट बदल दिया। उसी दिन लोहामंडी में टप्पेबाजों की बच्चा गैंग ने मदद के बहाने महिला को निशाना बना लिया। उनके कानों के कुंडल और अंगूठी उतारकर ले गए। मामले में थाना सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

## चारपाई पर सोते समय हीटर से लगी आग, जलकल विभाग के पंप ऑपरेटर की जलकर हुई मौत

संवाददाता

आगरा। आगरा के वाटरवर्क्स स्थित कमरे में चारपाई पर सो रहे पंप ऑपरेटर की रजाई में बिजली हीटर से आग लग गई। उन्होंने खुद को बचाने की कोशिश की की। मगर अपने आप को बचा न सके। आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। ताजगंज थाना क्षेत्र के महुआ खेड़ा निवासी सीताराम 50 जलकल विभाग में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। उनके बेटे बलराम ने बताया कि उनके पिता की नाइट ड्यूटी चल रही थी। बृहस्पतिवार रात 10:00 बजे पिता घर से ड्यूटी जाने के लिए निकले थे। रात का करीबन 1रू30 बजे जलकल विभाग से कर्मचारियों ने फोन कर किया। बताया कि उनके पिता जलकर मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद परिवार में कोहरा मच गया। परिजन मौके पर पहुंचे। उनके बेटे बलराम का कहना है कि वह घटनास्थल पर गए थे। उन्होंने देखा की चारपाई से हीटर 3 फीट की दूरी पर था। उससे आग कैसे लग सकती है। उनके पिता का शव चारपाई से करीब 5 फुट की दूरी पर पड़ा था।

## लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे पर ट्रक से जा भिड़ी डबल डेकर बस, 21 यात्री हुए घायल

संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के करहल क्षेत्र में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे देर रात डबल डेकर बस पीछे से ट्रक में भिड़ गई। हादसे के बाद बस सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने हादसे में घायल हुए 21 यात्रियों को तत्काल ही उपचार के लिए अस्पताल भेजा। ये हादसा देर रात हुआ। डबल डेकर बस आगरा से लखनऊ की ओर जा रही थी। बताया गया है कि बस आगे चल रहे ट्रक में टकरा गई। यात्रियों ने बताया कि बस की भिड़ंत होते ही तेज धमाका हुआ और बस दूसरी ओर मार्ग पर चली गई। हादसे में बस सवार 21 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। घायलों को सैफई अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है। क्षतिग्रस्त हुई बस को सड़क से हटावाकर यातायात सुचारू कराया गया।

## आधी रात को पेड़ों पर चलाई आरी, फिर सबूत मिटाने के लिए किया ऐसा काम...जांच टीम का भी ठनक गया माथा

संवाददाता

आगरा। आगरा के गधापाड़ा रेलवे मालगोदाम में खड़े सैकड़ों पेड़ों पर आरी चलाई गई। यह खुलासा सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच टीम के निरीक्षण में हुआ। आवासीय प्रोजेक्ट के लिए पेड़ों को काटने के बाद सबूत नष्ट करने के लिए इन्हें मौके पर ही जला दिया गया। पेड़ों को जलाने वाली जगह को भी जांच टीम ने कैमरे में कैद किया। मालगोदाम के निरीक्षण की ड्रोन से वीडियोग्राफी कराई गई, जिसमें पेड़ों की कटी जड़ें, तने और सफाचट मैदान सामने आया है। सीईसी को यह रिपोर्ट शुक्रवार को सौंपी जाएगी। बृहस्पतिवार दोपहर को निरीक्षण में सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी के निर्देश पर गठित कमेटी के सदस्यों के साथ पर्यावरणविद डॉ. शरद गुप्ता, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी डॉ. विश्वनाथ शर्मा, वन विभाग और रेलवे अधिकारी भी थे। मौके पर कटे पड़े तने और उखाड़े गए पेड़ों की जड़ें मिलीं। सेटेलाइट फोटो में जिस जगह हरियाली थी, वहां पूरा मैदान साफ कर दिया गया। जगह–जगह आग जलाकर नष्ट किए गए पेड़ों की राख मिली। बुलडोजर से पूरी जगह समतल कर दी गई थी। मालगोदाम की 90 हजार वर्ग मीटर जमीन पर बड़ी संख्या में पेड़ और झाड़ियों को साफ करने के सबूत टीम को मिले। निरीक्षण की रिपोर्ट शुक्रवार तक सीईसी

में जमा करनी होगी। इस रिपोर्ट के साथ ही रेलवे, वन विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार को अपना लिखित प्रस्तुतीकरण भी दाखिल करना होगा। उसके बाद सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी के सदस्य मालगोदाम साइट का दौरा करने के लिए आएंगे। टीम ने वीडियोग्राफी के लिए ड्रोन उड़ाया, पर वह खराब हो गया। इस पर दूसरा ड्रोन मंगवाया गया, जो 1 घंटे बाद आया। तब तक टीम ने प्रत्यक्षदर्शियों से बात की, जिन्होंने बताया कि रात में लाइटें जलाकर पेड़ों को काटा गया। होली की तरह लकड़ियों में आग लगाई गई। दो सप्ताह तक बुलडोजर से मालगोदाम में पेड़ उखाड़े गए। पेड़ काटने वालों के साथ पुलिस भी रहती थी, जो छतों पर लोगों को नहीं आने देती थी। टीम के सदस्य डॉ. शरद गुप्ता ने बताया कि सेटेलाइट की तस्वीरों में 90 हजार में से 77,225 वर्ग मीटर जमीन पर हरियाली दिख रही है। मौके पर मैदान साफ है। पूरी हरियाली गायब है। सेटेलाइट की पुरानी और नई तस्वीरों का मिलान कराकर काटे गए पेड़ों की असल संख्या पता की जाएगी। यहां तालाब और नाला भी मिला है।

## 'पत्नी मेरी मौत की जिम्मेदार': सुसाइड नोट में बयां किया वो दर्द, जो हर दिन सहा, सिर में गोली मारकर दे दी जान

संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्रमें पत्नी के घर छोड़कर जाने और कोर्ट में तलाक की अर्जी डालने से परेशान पार्किंग ठेकेदार ने सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। घर से तमंचा बरामद

किया गया। ठेकेदार बेटी के साथ अकेले रहते थे। सुसाइड नोट में उन्होंने मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। वायु विहार स्थित सरकारी आवास में रहने वाले रवि धाकड़ की शादी 10 साल पहले नगला पदी की रितु के साथ हुई थी। परिजन ने पुलिस को बताया कि रवि पार्किंग का ठेका लेते थे। पत्नी रितु प्राइवेट नौकरी करती थीं। उनकी आठ साल और तीन साल की दो बेटियां हैं। करीब 10 महीने पहले रवि का काम छूट गया। पति–पत्नी में झगड़ा होने लगा। चार महीने पहले पत्नी मायके चली गई। बाद में समझौता होने पर रितु घर आ गई। एक दिसंबर को फिर से दोनों में झगड़ा हुआ। पत्नी छोटी बेटी को लेकर चली गई। तब से लौटी नहीं। दो दिन पहले कोर्ट में रवि से तलाक की अर्जी डाल दी। परिजनों ने बताया कि जानकारी होने पर रवि ने फोन किया लेकिन पत्नी ने बात नहीं की। बुधवार शाम करीब चार बजे बड़ी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। तभी घर के अंदर गोली चलाने की आवाज आई। वह दौड़कर अंदर गई तो देखा पिता खून से लथपथ पड़े थे। पास में ही तमंचा था। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी आए और पुलिस को सूचना दी। एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि अभी तक किसी ने तहरीर नहीं दी है। तमंचा कहां से आया, इसकी जांच की जा रही है। एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें रवि ने अपनी मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। लिखा है कि मैं परेशान हो गया हूं। तुम्हें कई बार समझाया। मगर, तुम नहीं मानी। मैं तुम्हारी हरकतों से तंग आ चुका हूं।

# अब सराय मियां में मिला शिव मंदिर, खंडित हैं मूर्तियां, मिट्टी में दबी मिलीं मूर्तियां, हुई नारेबाजी

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में थाना देहलीगेट क्षेत्र के अतिसंवेदनशील मोहल्ला सराय मियां की संकरी गली में एक प्राचीन शिव मंदिर मिला है। मंदिर में देवी–देवताओं की मूर्तियां टूटी हुईं हैं। मंदिर परिसर को कूड़ाघर बनाया हुआ था। गेट पर ताला लगा था, जिसे हिंदू नेताओं ने पुलिस की मौजूदगी में तोड़ा और मंदिर की धुलाई की। इस दौरान जय श्रीराम और हर–हर महादेव के जयकारे लगाए गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय पांडेय ने बताया कि 19 दिसंबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे सूचना मिली थी कि मोहल्ला सराय मियां की गली में प्राचीन शिव मंदिर है, जिसे कूड़ाघर बनाया हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची तो मंदिर परिसर के गेट पर ताला लगा था, लेकिन बराबर में खाली जगह से मंदिर तक पहुंचने का रास्ता था। मंदिर में देखा तो देवी–देवताओं की मूर्तियां मिट्टी में दबी थीं, जिनमें कई टूटी हुई मिली हैं। मंदिर परिसर में चारों ओर कूड़ा था। इस दौरान वहां पहुंचे हिंदू संगठनों के नेताओं ने मंदिर परिसर की धुलाई की और जयकारे लगाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां माहौर समाज की घनी आबादी थी, लेकिन

धीरे–धीरे लोग यहां से मकान बेचकर चले गए। अब यहां घनी मुस्लिम आबादी है। एक भी हिंदू परिवार नहीं रहता। भाजयुमो के महानगर मंत्री हर्षद हिंदू ने बताया कि सराय मियां में मंदिर को नष्ट करने की कोशिश चल रही थी। मूर्तियों को तोड़ा गया है। विपरीत माहौल होने के कारण शहर के कई इलाकों से हिंदू पलायन कर चुके हैं, जिस कारण वहां मंदिरों पर कब्जे करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे मंदिरों की सूची तैयार की जा रही है, जिससे वहां के मंदिरों को सुरक्षित किया जा सके। इधर, सराय रहमान की टायर वाली गली में 18 दिसंबर को मिले शिव मंदिर में हिंदू संगठनों ने दरवाजा लगवा दिया है। वहां पूजा–अर्चना का सिलसिला जारी है। मंदिर पर भगवा झंडा भी लगा दिया है। बजरंगदल के महानगर संयोजक अंकुर शिवाजी ने बताया कि मंदिर में देर रात तक साफ–सफाई और पूजा–अर्चना की गई। मौके पर विहिप के महानगर मंत्री मयंक कुमार, विशाल देशभक्त, भाजपा नेता विनय वार्ष्णेय, अतुल राजाजी, जुबिन वार्ष्णेय, मन्नू वार्ष्णेय, ब्रजेश कंटक, गोविंद वार्ष्णेय, संजय भीलवाड़ा, संजय शर्मा रहे। मोहल्ला सराय मियां में शिव मंदिर के पास रहने वाले मोहम्मद अकील कुरैशी ने बताया कि देखरेख के अभाव में मंदिर की हालत खराब हुई है। मोहल्ले के लोगों ने ही मंदिर की सुरक्षा को देखते हुए दीवार लगवाई है। मंदिर की देखरेख को लेकर कोरी समाज के लोगों से बात होती रहती है। इसलिए विवाद की कोई स्थिति नहीं है। मोहल्ला सराय मियां में रहने वाले भजनलाल माहौल ने बताया कि पिछले 50 साल से मंदिर में पूजा अर्चना नहीं हुई है। धीरे–धीरे कोरी समाज के लोग मकान बेचकर यहां से चले गए। इसलिए अब यहां मंदिर की देखभाल करने वाला कोई नहीं है।

## झांसी पैसेंजर 24 तक रहेगी निरस्त, 10 से ज्यादा ट्रेनें नहीं आएंगी

संवाददाता

आगरा। झांसी मंडल के संदलपुर–आंतरी स्टेशन के मध्य होने वाले मरम्मत कार्य के लिए 20 से 24 दिसंबर तक यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान कई ट्रेनें निरस्त, मार्ग परिवर्तन तो कई शॉर्ट टर्मिनेट की गई हैं। गाडी संख्या (11807) वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन–आगरा कैंट 20 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसी तरह (11808) आगरा कैंट–झांसी 20 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। 11901–झांसी जंक्शन–आगरा कैंट 20 से 23 दिसंबर तक, 11902–आगरा कैंट–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन 20 से 22 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसी तरह दो इटावा–झांसी पैसेंजर ट्रेनें भी 23 तक निरस्त रहेंगी। 12644–हजरत निजामुद्दीन–तिरुवनंतपुरम सेंट्रल 20 दिसंबर को आगरा कैंट की जगह मथुरा–ग्वालियर–झांसी वाया बीना होकर संचालित होगी। 12780–हजरत निजामुद्दीन–वास्को–डी–गामा एक्सप्रेस 20–21 दिसंबर को आगरा कैंट की जगह वाया मथुरा, झांसी होकर संचालित रहेगी।

## मीट फैक्टरी के ठेकेदार और मजदूर में मारपीट, सांसद के फोन पर ठेकदार को छोड़ा, मजदूर पर कार्रवाई

संवाददाता

अलीगढ़। 19 दिसंबर सुबह रोरावर थाना क्षेत्र की एक मीट फैक्टरी में ठेकेदार और मजदूर में झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। ठेकेदार ने मजदूर पर नकदी छीनने का आरोप लगाया है। मामला रोरावर थाने पहुंचा तो पुलिस ने दोनों पक्षों को

थाने में बैठा लिया। इसी बीच ठेकेदार ने हाथरस के भाजपा सांसद अनूप प्रधान को फोन कर दरोगा की शिकायत कर दी। इस पर सांसद ने दरोगा से बात की। इसके बाद दरोगा ने ठेकेदार को छोड़ दिया। दोनों पक्षों ने रोरावर थाने में तहरीर दी है, इस पर पुलिस जांच कर रही है। देर शाम मजदूर के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई की है। थाना जवां के गांव छोटी जंवा निवासी गोपाल पुत्र दलवीर सिंह ने कहा कि वह हाथरस सांसद अनूप प्रधान के मौसेरे भाई हैं। रोरावर थाना क्षेत्र की एक मीट फैक्टरी में ठेकेदार हैं। फैक्टरी में काम करने वाला मजदूर रोरावर थाना क्षेत्र के गांव अमरपुर कोडला निवासी विपिन पुत्र श्यौदान ने बताया कि उनकी ठेकेदार से कहासुनी हो गई थी। दोनों में झगड़ा हो गया। मारपीट हो गई। इधर, गोपाल ने मजदूर पर नकदी छीनने का आरोप लगाया। तनातनी होने पर दोनों पक्षों को पुलिस ने थाने में बैठा दिया। इस बीच गोपाल ने सांसद को फोन कर दिया। पुलिस ने सांसद से बात कर उनको छोड़ दिया। रोरावर थाना क्षेत्र में हुए घटनाक्रम की पूरी जानकारी नहीं है। मेरा कोई मौसेरा भाई नहीं है।

## एसी कोच में सफर करने वाले ये दंपती...आम यात्री नहीं, ऐसे कारनामे जान पुलिस भी हैरान, 10 लाख के जेवर बरामद

संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना शाहगंज की मराठा बस्ती की दो महिलाओं का गिरोह ट्रेनों के वातानुकूलित (एसी) कोच में सफर के दौरान यात्रियों के कीमती सामान चुराता था। दिल्ली से ग्वालियर के बीच वारदात को अंजाम देकर महिलाएं अपने साथी को चोरी का सामान सौंप देती थीं। जीआरपी व आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो महिलाओं सहित 3 को गिरफ्तार कर करीब 10 लाख के जेवरात बरामद किए हैं। जीआरपी आगरा कैंट के इंस्पेक्टर ने बताया कि दिल्ली से ग्वालियर के बीच ट्रेनों के एसी कोच में बैग व अटैचियों से चोरी की घटनाएं बढ़ गई थीं। जीआरपी व आरपीएफ ने एसी कोच में सफर कर रेकी की। शाहगंज के दंपती पर शक हुआ। उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो चोरी की कई घटनाओं का खुलासा हुआ। शाहगंज की मराठा बस्ती निवासी चंदन उपाध्याय, उसकी पत्नी वंदना और करिश्मा नामक महिला को गिरफ्तार कर करीब 10 लाख रुपये के जेवरात बरामद किए गए हैं। तीनों दिल्ली से ग्वालियर के बीच एसी कोच में टिकट

लेकर सफर करते थे। वंदना व करिश्मा ऐसे यात्रियों पर नजर रखती थीं, जो अकेले सफर कर रहे हैं। वह महिलाओं को बातों में उलझाकर भी बैग से कीमती सामान चुरा लेती थीं। कई बार वारदात कर आगरा में ही गायब हो जाती थीं। कई बार ग्वालियर और भोपाल तक शिकार की तलाश में सफर करती थीं। तीनों पहली बार पकड़े गए हैं। लेकिन यह दो साल से यह काम कर रहे थे। तीनों मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं। केस दर्ज करके जेल भेजा गया है।

## बनियापाड़ा मंदिरों का मोहल्ला... जहां हैं 12 मंदिर, वहां नहीं रुक रहा पलायन का सिलसिला

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ शहर के अतिसंवेदनशील मोहल्ला बनियापाड़ा से लोगों के पलायन का सिलसिला जारी है, इसके पीछे बड़ा कारण असुरक्षित माहौल होना है। बताया जाता है कि मोहल्ले में करीब ढाई सौ परिवार हैं, जिनमें से करीब एक दर्जन परिवार मोहल्ला छोड़कर जा चुके हैं, जिनके मकानों में ताले पड़े हैं। बनिया पाड़ा थाना देहलीगेट क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मोहल्ले से बाहर निकलने के पांच प्रमुख रास्ते हाथी वाला पुल, श्याम चौक, ऊपरकोट, शीशा मस्जिद, चिराग चियान हैं, जो मुस्लिम बाहुल्य हैं। सांप्रदायिक दंगों के दौरान तनाव इतना ज्यादा होता था कि पुलिस को ही खाद्य सामग्री मोहल्ले में पहुंचानी पड़ती थी। बनियापाड़ा मोहल्ला में मुख्यतरू वैश्य समाज के परिवार थे, कुछ परिवार ब्राह्मण तथा अन्य समाज के थे। एक भी मुस्लिम परिवार मोहल्ले में नहीं था। अलीगढ़ में अब तक जितने भी दंगे हुए हैं लगभग सभी में बनियापाड़ा प्रभावित हुआ है। ऐसे में काफी परिवार यहां से मकान बेचकर पलायन कर गए। पिछले कुछ सालों में मुस्लिम परिवार मोहल्ले में बसे हैं। मोहल्ला

निवासी मोहन लाल ने बताया कि आस्था के चलते दूर–दराज से लोग यहां बांकेबिहारी के दर्शन करने आते हैं। मोहल्ले में चारों ओर मंदिर होने के कारण इसे अलीगढ़ का वृंदावन कहा जाता है। पिछले कुछ सालों में हिंदू परिवार मोहल्ला छोड़कर शहर के दूसरे इलाकों में बसे हैं, जबकि कई मुस्लिम परिवार बनियापाड़ा में बसे हैं। बनियापाड़ा में गोविंद जी, लक्ष्मणजी, बांकेबिहारी, सत्यनारायणजी, पथवारी माता, शनिदेव, तीन देवी मंदिर समेत 12 मंदिर हैं। पांच प्राचीन कुएं हैं, जिनमें अब पानी नहीं है, लेकिन विवाह आदि कार्यों में यहां पूजा होती है। बांके बिहारी मंदिर का इतिहास वृंदावन के मंदिर से जोड़कर बताया जाता है, इसके पीछे तर्क है कि संत हरिदास का जन्म अलीगढ़ में हुआ था, जिनके नाम पर यहां हरिदास नगर बसा है। उनके द्वारा स्थापित विग्रह बनियापाड़ा में है। बनियापाड़ा के निकट मोहल्ला टनटनपाड़ा है, जहां प्राचीन शिव मंदिर हैं। पहले यहां वैश्य समाज की घनी आबादी थी, लेकिन अब एक भी हिंदू परिवार नहीं है। इसके चलते मंदिर की देखरेख करने वाला कोई नहीं है।

## चौकीदार को चाकू मार पर 30 बकरियां लूट ले गए बदमाश, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

अलीगढ़। सर्द रातों में चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। 19 दिसंबर तड़के तीन बजे बदमाश अलीगढ़ मार्ग स्थित खटीकान मोहल्ला से तीस बकरियों को वाहन में लाद ले जाने लगे। शोरगुल सुन कर चौकीदार ने शोर मचाया तो बदमाशों ने उसकी कमर पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। इस मामले में थाना पुलिस ने लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। तीन टीमें बदमाशों की तलाश में लगी हुई हैं। कस्बा निवासी पप्पू पुत्र मूलचंद्र ने बताया कि उसके घेर में उसकी 18 बकरी, रमेश पुत्र मूलचंद्र की 7 बकरी, सोनू पुत्र श्यामवीर निवासी उत्तमपुर की 5 बकरी बंधी हुई थी। इनकी रखवाली के लिए गांव भैंया निवासी छोटेलाल पुत्र नौरंगी घेर में सोया हुआ था। 19 दिसंबर तड़के तीन बजे बदमाश घेर में प्रवेश कर गए और बकरियों को वाहन में लादने लगे। आहट होने पर छोटेलाल जाग गए और शोर मचा दिया। इस पर बदमाशों ने उसकी कमर पर चाकू से वार कर दिया। बदमाश 30 बकरियों को लादकर फरार हो गए। घटना में कर्मी लहूलुहान हो गया। उसे उपचार

के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर कोतवाल सुनील कुमार तोमर मय पुलिस बल के मौके पर पहुंच गए। मुकदमा दर्ज कराया। कोतवाल ने कस्बे के मुख्य मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कराए। बदमाशों की धरपकड़ के लिए थाना पुलिस की तीन टीमें लगी हुईं हैं।

# काफी महंगी होती हैं ये पांच साड़ियां, एक की कीमत तो चालीस लाख से भी ज्यादा

एजेंसी

हर भारतीय महिला के लिए साड़ी काफी खास परिधान होता है। इसे वो शादी–विवाह से लेकर पार्टियों में भी कैरी करना पसंद करती हैं। आजकल तो समय ऐसा है कि जो विदेशी महिलाएं भारत घूमने आती हैं, वो भी साड़ी ही पहनना पसंद करती हैं। लोगों को लगता है कि साड़ी काफी सस्ती आती हैं, जबकि ऐसा नहीं है। भारत में कई इस तरह की साड़िया भी बनती हैं, जो लाखों रुपये की आती हैं। साड़ियों को विदेशों में भी प्रचलित करने के लिए हर साल 21 दिसंबर के दिन साड़ी डे मनाया जाता है। वर्ल्ड साड़ी के मौके पर हम आपको भारत में मिलने वाली सबसे महंगी साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी इन साड़ियों के बारे में जान सकें। ये सभी साड़ियां अपने जटिल काम की वजह से काफी महंगी आती हैं और इनपर काम काफी महीन होता है। कांचीपुरम की ये साड़ियां मूलरूप से तमिलनाडु में बनाई जाती हैं और इनमें असली सोने व चांदी की जरी का उपयोग होता है। इनकी गुणवत्ता और बुनाई कला इन्हें खास बनाती है। कीमत की बात करें तो कांचीपुरम सिल्क की कीमत साड़ी 1 लाख से 40 लाख रुपये तक की होती है। इसकी कीमत इसके जरी के काम पर निर्भर करती है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी की यह साड़ियां जटिल जरी वर्क और रिच सिल्क से बनी होती हैं। यह शादी और विशेष अवसरों पर पहनी जाती हैं। खासतौर पर बनारसी सिल्क की साड़ियां नई दुल्हनों को चढ़ाई जाती हैं। इन साड़ियों की कीमत 5,000 से ध10 लाख तक होती है। बनारसी सिल्क की साड़ी देखने में काफी कमाल की होती है। गुजरात की यह साड़ियां डबल–इकट तकनीक से बनाई जाती हैं। यह साड़ी अपनी जटिल बुनाई, शानदार डिजाइन, और समृद्ध सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। इसके खास काम की वजह से ही इसे तैयार होने में 6 महीने से एक साल तक का समय लग जाता है। आमतौर पर इसकी कीमत 2 लाख से ध10 लाख तक होती है। राजस्थान की जरी कोटा साड़ियां अपनी हल्की बनावट और आकर्षक जरी वर्क के लिए मशहूर हैं। ये साड़ियां देखने में बेहद रॉयल लगती हैं। मूलरूप से इनकी कीमत 5 हजार रुपये से से 5 लाख तक होती है। इस तरह की साड़ियां ज्यादातर महिलाएं शादी–विवाह में पहनना पसंद करती हैं। मूंगा सिल्क साड़ी असम की शान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसे दुनिया के सबसे उत्कृष्ट और टिकाऊ रेशमों में से एक माना जाता है। असम का यह सिल्क पूरी तरह से प्राकृतिक होता है और इसे खासतौर पर असमिया रेशम के कारीगरों द्वारा तैयार किया जाता है। इन साड़ियों की कीमत भी 10,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक होती है।

## नए साल पर मिलेगा निखरा चेहरा, अगर त्वचा पर ऐसे इस्तेमाल करेंगी कच्चा दूध

एजेंसी

लगातार बढ़ते प्रदूषण, तनाव और बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से त्वचा काफी थकी–थकी लगती है। इसके लिए लोग काफी स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। बहुत से लोग फेशियल कराते हैं, वहीं बहुत से लोग चेहरा चमकाने के लिए घरेलू नुस्खे अपनाते हैं। यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें घरेलू नुस्खों पर भरोसा है, तो ये लेख आपके लिए है। यहां हम आपको नये साल के लिए चेहरा चमकाने का तरीका बताने जा रहे हैं। हम यहां आपको दूध के इस्तेमाल से चेहरा चमकाने के नुस्खे बताएंगे। दरअसल, कच्चे दूध में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा संबंधी कई परेशानियों को दूर करते हैं। ऐसे में हम आप यहां आपको दूध के इस्तेमाल का सही तरीका बताने जा रहे हैं। कच्चे दूध को कई तरह से इस्तेमाल करके आप चेहरे को ग्लो बरकरार रख सकते हैं। आप कच्चे दूध का इस्तेमाल क्लींजर के रूप में कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कच्चे दूध को एक कॉटन बॉल की मदद से चेहरे पर लगाएं। फिर इसे 10–15 मिनट तक ऐसे छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसकी मदद से आप अपनी त्वचा को अंदर तक साफ कर सकते हैं। कच्चे दूध का इस्तेमाल स्क्रब के रूप में भी किया जा सकता है। इसके लिए 2 चम्मच कच्चे दूध में चुटकी भर हल्दी और 1 चम्मच चावल का आटा मिलाएं।इसे चेहरे पर हल्के हाथों से मलें और फिर धो लें। यह स्क्रब मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। इसलिए आप हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। कच्चे दूध से आप फेस मास्क भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए 2 चम्मच दूध में 1 चम्मच शहद और थोड़ी–सी बेसन मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ये मास्क त्वचा की नमी बरकरार रखता है। टोनर का इस्तेमाल चेहरे की त्वचा टाइट करने के लिए किया जाता है। ऐसे में आप कच्चे दूध से भी टोनर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कच्चे दूध को फ्रिज में ठंडा करें। अब एक कॉटन पैड की मदद से इसे चेहरे पर लगाएं। कुछ देर इसे ऐसे ही रहने दें और फिर चेहरा धो लें। डार्क सर्कल को कम करने के लिए भी कच्चे दूध का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए ठंडे दूध में कॉटन पैड भिगोकर आंखों पर रखें। इसके बाद दूध को ऐसे ही 10–15 मिनट तक छोड़ दें। यह डार्क सर्कल्स और थकावट को कम करने में सहायक है।

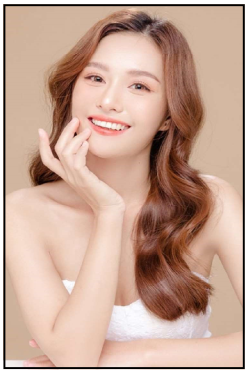

## क्रिसमस पर मेहमानों को परोसें ये पकवान, खाकर हर कोई होगा खुश

एजेंसी

क्रिसमस ईसाई धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जो हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन यीशु मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। भले ही क्रिसमस मुख्य रूप से ईसाई धर्म का त्योहार है, लेकिन इसे पूरी दुनिया में विभिन्न धर्मों के लोग खुशी और उत्साह के साथ मनाते हैं। इस दिन घरों और सार्वजनिक स्थानों पर क्रिसमस ट्री को रोशनी, सितारों, घंटियों और अन्य सजावट सामग्री से सजाया जाता है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं, प्रार्थना करते हैं, और विशेष धार्मिक सेवाओं में भाग लेते हैं। क्रिसमस के दिन लोग एक–दूसरे को उपहार देकर खुशियां भी बांटते हैं और एक–दूसरे के घर जाकर पार्टी करते हैं। ऐसे में हर घर में तमाम तरह के पकवान बनाए जाते है। यदि आपने भी इस क्रिसमस अपने घर पर पार्टी का आयोजन किया है तो मेहमानों के लिए खास पकवान तैयार करें। पकवान तैयार करते वक्त बच्चों का भी ध्यान रखें। क्रिसमस का त्योहार बिना प्लम केक के अधूरा है। इसे सूखे मेवे और जूस में भिगोकर तैयार किया जाता है। इसे लोग पहले से बनाकर तैयार कर लेते हैं, ताकि त्योहार के दिन आपको परेशान न होना पड़े। प्लम केक बनाकर आप भी एक हफ्ते से पहले से सजा सकते हैं। सेब और दालचीनी से तैयार यह पाई एक क्लासिक डेजर्ट है जो हर किसी को पसंद आता है। इसे खासतौर पर बच्चे काफी मन से खाते हैं। तो यदि आपके घर पर बच्चे हैं तो पहले से एप्पल पाई तैयार करके रख लें, और उन्हें सरप्राइज दें। क्रिसमस के दिन अपने मेहमानों को गरमागरम गार्लिक ब्रेड को चीज के साथ सर्व करें। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसके साथ कोल्ड ड्रिंक परोसें। हर्ब गार्लिक ब्रेड गरम ही अच्छी लगती है, इसलिए इसे पहले से तैयार करके न रखें। यदि आप हेल्दी खाना पसंद करते हैं तो फ्रेश वेजिटेबल्स, फलों और नट्स सलाद तैयार करें। ये न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट लगता है, बल्कि आसान भी है। इसे भी आप पहले से तैयार कर सकते हैं। रेड सॉस, व्हाइट सॉस या पेस्टो सॉस के साथ तैयार पास्ता का स्वाद सबको भाएगा। ऐसे में आप पास्ता तैयार करें। खासतौर पर बच्चों और युवाओं को पास्ता बगैरह खाने में स्वादिष्ट लगता है। ऐसे में बिना सोचे पास्ता तैयार करें। कुछ हैवी बनाने का प्लान कर रही हैं तो नूडल्स और मंचूरियन तैयार करें। इसकी जगह आप चिली पनीर और नूडल्स भी तैयार कर सकते हैं। इसे आप डिनर में भी परोस सकती हैं।

## लहंगे में क्लासी और ग्लैमरस लुक पाने के लिए बेस्ट हैं ये न्यू डिजाइंस चोकर सेट, आप भी करें ट्राई

एजेंसी

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आप चोकर स्टाइल सेट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट दिखाने जा रहे हैं। महिलाओं और लड़कियों को लहंगा कैरी करना बहुत पसंद है। वहीं महिलाएं लहंगे में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए ज्वेलरी कैरी करती हैं। लेकिन स्टाइलिश लुक पाने के लिए जरूरी है कि आप सही ज्वेलरी का चुनाव करें। हालांकि ज्वेलरी में आपको कई सारे पैटर्न मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आप चोकर स्टाइल सेट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट दिखाने जा रहे हैं। आप लहंगे के साथ खूबसूरत, ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक पाने के लिए न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट वियर कर सकती हैं। आप लहंगे के साथ स्टोन वर्क चोकर वियर कर सकती हैं। यह न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह के चोकर सेट में स्टोन वर्क किया हुआ है। साथ ही इस सेट में मोती लगे हुए हैं। आप मार्केट में 400 रुपए तक इस तरह का चोकर सेट खरीद सकती हैं। अगर आप हैवी वर्क और लाइट कलर का लहंगा वियर कर रही हैं, तो आपको पर्ल वर्क चोकर सेट पहनना चाहिए। यह आपको स्टाइलिश और खूबसूरत लुक देने का काम करेगा। इस चोकर सेट में स्टोन और मोती है। यह आपके लुक को रॉयल बनाएगा। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से 500 रुपए में इस तरह का चोकर सेट ले सकती हैं। अगर आप डार्क कलर का लहंगा पहन रही हैं, तो आप कुंदन वर्क वाला चोकर सेट वियर कर सकती हैं। यह न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस सेट में मोती वर्क है और यह आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा। आप मार्केट में 600 रुपए तक की कीमत में इस तरह का चोकर सेट ले सकती हैं। अगर आप सिंपल लुक पाना चाहती हैं, तो आप सिंपल चोकर सेट पहन सकती हैं।

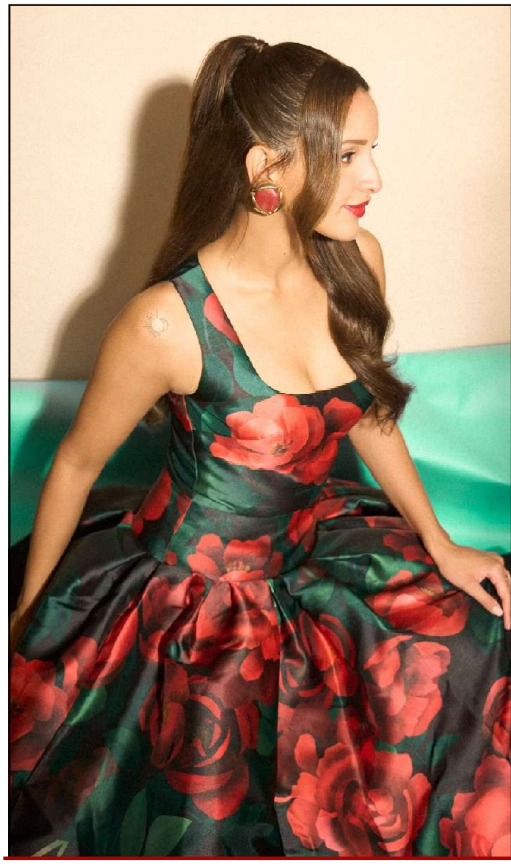

# रेनडियर हेयरबैंड-मार्शमैलो के साथ तृप्ति ने मनाई क्रिसमस पार्टी

## गोलगप्पों पर टकटकी लगाती दिखीं

एजेंसी

क्रिसमस आने वाला है और पूरी दुनिया अभी से इसके जश्न में डूबी हुई है। छुट्टियों के माहौल में नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी ने भी मनाया क्रिसमस का जश्न और अपने सोशल मीडिया हैंडल की स्टोरी पर शेयर कीं बेहद ही शानदार तस्वीरें। तृप्ति कल रात को मुंबई की सड़कों पर घूमती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस वक्त उनके साथ उनके कथित बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट भी मौजूद थे। तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई स्टोरीज शेयर कीं, जिसमें बांद्रा और उसके आसपास के इलाकों की शानदार झलकियां देखने को मिली। इस दौरान तृप्ति ने कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिनमें से एक तस्वीर में वह गोलगप्पे की शॉप पर खड़ी नजर आईं। तृप्ति के इंस्टाग्राम स्टोरी की शुरुआत खुद के बूमरैंग वीडियो से हुई, जिसमें वह एक चमकदार लाल हेयरबैंड पहने हुए बेहद प्यारी लगीं। इसके बाद फेयरी लाइट्स से जगमगाते एक पेड़ की तस्वीर थी। उनकी आखिरी पोस्ट में वह एक कार्यक्रम में गाने और डांस का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। काम की बात करें तो तृप्ति के लिए बैक टू बैक रिलीज के साथ यह साल काफी शानदार रहा। उन्हें आखिरी बार भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ देखा गया था। उन्होंने राजकुमार राव, विजय राज और मल्लिका शेरावत के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में भी अभिनय किया। फिलहाल,

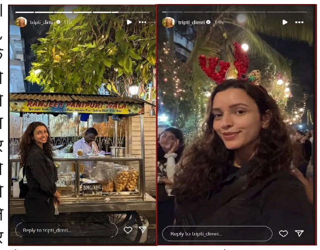

तृप्ति अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा धड़क 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की अगली कड़ी है। उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल की दूसरी किस्त एनिमल पार्क में भी देखा जाएगा। तृप्ति के दूसरे प्रोजेक्ट में कार्तिक आर्यन के साथ आशिकी 2 शामिल है।

# आराध्या के स्कूल फंक्शन में ऐश्वर्या–अभिषेक का डांस हुआ वायरल, दीवानगी पर शाहरुख भी झूमे

एजेंसी

तलाक की अफवाहों के बीच अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय को आराध्या के स्कूल के वार्षिक समारोह में एक साथ दीवानगी गाने पर डांस करते देखा गया। गुरुवार शाम को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में बहुप्रतीक्षित वार्षिक समारोह के लिए सितारे इकट्ठे हुए। इस दौरान ऐश्वर्या और अभिषेक का साथ में डांस अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक उत्सव में कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आए, जो अपने नन्हे–मुन्नों के उत्साह को बढ़ाने के लिए वहां मौजूद थे। इस कार्यक्रम के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं, जिसमें ऐसे ही एक वीडियो में अभिषेक और ऐश्वर्या को भीड़ में दीवानगी दीवानगी गाने पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। वहीं एक क्लिप में शाहरुख खान भी नजर आए। वीडियो में शाहरुख खान स्कूल के बड़े बच्चों के साथ डांस करते हुए दिखाई दिए, जबकि अबराम और आराध्या बच्चन स्टेज पर थिरकते दिखे।

# 'अब तो बिहार मेरी खबर जाएगी, मैं नहीं जाऊंगा', इस इरादे के साथ अभिनय की दुनिया में आए चंदन रॉय

एजेंसी

कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं होता एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों, ये लाइनें दुष्यंत कुमार की लिखी हुई हैं। लेकिन, पक्के इरादे और मेहनत के बल पर अपना मुकाम पाने वाले हर शख्स पर फिट बैठती हैं। अभिनेता चंदन रॉय भी कुछ इसी इरादे के साथ अभिनय की दुनिया में आए। बिहार के महनार गांव से मुंबई आए चंदन ने अमर उजाला से बातचीत में खुद खुलासा किया कि वे यही ठानकर मुंबई आए कि अब बिहार मेरी खबर जाएगी, मैं नहीं जाऊंगा। उनकी ख्वाहिश सच हुई। पंचायत सीरीज में उनका किरदार विकास खूब लोकप्रिय हुआ है। चंदन रॉय ने अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अखबार में नौकरी की। ऐसा भी उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से किया। दरअसल, हर मध्यम वर्गीय परिवार की तरह चंदन रॉय के माता–पिता ने भी यही सपना देखा कि बेटा सरकारी नौकरी करे, लेकिन चंदन रॉय के सपने अलग थे। उन्होंने अभिनेता बनने का ख्वाब देखा, जिसके लिए मुंबई आना जरूरी था। मुंबई आने के लिए पैसे जरूरी थे। इसके लिए उन्होंने पत्रकारिता की पढ़ाई की और फिर कुछ साल नौकरी करके पैसे जुटाए, जिससे मुंबई जाने के लिए आर्थिक मदद मिली। खुद को कैसे तैयार किया? इसके जवाब में चंदन ने कहा, श्मैंने एक–दो दिन में खुद को तैयार नहीं किया था। वह बचपन से तय था कि मुझे मुंबई जाना है। यही वजह है कि मैंने बैचलर ऑफ मास कॉम किया। फिर आईआईएमसी चला गया, क्योंकि मुझे मुंबई आने के लिए थोड़े पैसे चाहिए थे। उसके लिए मुझे नौकरी करनी थी। मैने सोचा कि जब मुझे मुंबई जाना ही है तो क्यों न इसी के आसपास के किसी फील्ड में काम कर लूं। करीब ढाई साल नौकरी की और तीन–चार महीने के पैसे इकट्ठा कर लिए तो आ गया मुंबई। हां, मैंने रिस्क लिया था। और मेरे पास भी प्लान बी नहीं था। मैं इसी इरादे के साथ आया था कि बस पंद्रह बीस साल तो मेरे कोई नहीं छीन रहा है मुंबई में, अब तो जो होगा देखा जाएगा। मैं हमेशा कहता भी हूं कि मैं यही सोचकर आया था कि बिहार मेरी खबर जाएगी, मैं नहीं जाऊंगा। पंचायत में प्रधान की भूमिका निभाने वाले अभिनेता रघुबीर यादव के साथ काम करने का अनुभव भी चंदन रॉय ने साझा किया। सीरीज से पहले वर्कशॉप में वे रघुबीर यादव से मिल चुके थे। फिर सेट पर पहली बार रघुबीर यादव के साथ सीन करने का किस्सा भी काफी दिलचस्प रहा। चंदन बताते हैं, उनके साथ पहला सीन ये था कि वो खेत से लौटा लेकर आते हैं। जैसे ही वो आए तो मेरे को बताया गया। उन्हें देखकर मेरे मुंह से निकला, प्रणाम प्रधान जी। वह स्क्रिप्ट में कहीं नहीं था। यह अचानक मेरे मुंह से निकला।

# 50–60 के दशक की इस अदाकारा की बोल्डनेस का दीवाना था जमाना शुरू किया था स्विमसूट का चलन

एजेंसी

फिल्मों में आना हर कला प्रेमी का बहुत बड़ा सपना होता है। अपने इस सपने के साकार करने के लिए कलाकार जी–तोड़ मेहनत भी करता है। हालांकि, इस समय मेहनत के बाद एक नाम लोगों के सिर पर ऐसा छा जाता है कि पूरे मनोरंजन जगत में बस उसी के नाम के चर्चे

होते हैं। आज हम आपको इस शख्सियत से रूबरू कराने जा रहे हैं, जो न केवल अपनी खूबसूरती बल्कि अपने अभिनय के दम पर हर किसी के दिल पर राज करती हैं। शोहरत में भरी जिंदगी में उन्होंने अभिनेता दिलीप कुमार तक को अपना फैन बना दिया था। हम बात कर रहे हैं नलिनी जयवंत की। आज उनकी डेथ एनिवर्सरी पर जानते हैं, अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्सों के बारे में। नलिनी जयवंत ने 50 और 60 के दशक में हर दिल को अपना दीवाना बनाया था। उस समय उन्हें इंडस्ट्री की टॉप और डिमांडिंग अभिनेत्रियों का टैग मिला हुआ था। अभिनेत्री काजोल से भी नलिनी का बहुत ही गहरा रिश्ता है। नलिनी रिश्ते में अभिनेत्री काजोल की नानी लगती थीं। नलिनी के साथ उस समय इंडस्ट्री में हर कोई काम करने के सपने देखता था। नलिनी जयवंत के लिए फिल्मों में आने का सफर काफी कठिन था। अभिनेत्री के पिता कभी नहीं चाहते थे कि वह अभिनय के क्षेत्र में आए। कहा जाता है कि इंडस्ट्री में शर्मिला टैगोर वह पहली अभिनेत्री थीं, जिन्होंने स्विमसूट पहनकर फोटोशूट कराया था, लेकिन आपको बता दें कि नलिनी ने उनसे पहले यह काम कर दिया था। साल 1950 में निर्देशक ज्ञान मुखर्जी की फिल्म 'संग्राम' में उस दौर में खूब सनसनी मचाई थी। उनकी बोल्डनेस के हर कोई कायल हो गए थे।

**वॉयस ऑफ कैपिटल**

**हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र**

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुवर्ण रेखा उपाध्याय द्वारा दक्षिता ऑफसेट, 105/128 फूलबाग खटियाना, हुसैनगंज, लखनऊ (उ0प्र0) से मुद्रित तथा 71 विज्ञान खण्ड, छोटा भरवारा, चिनहट, लखनऊ, 226028 उ0प्र0 से प्रकाशित।

**प्रधान सम्पादक**
**सुवर्ण रेखा उपाध्याय**
**मोबाइल नं0**
**9415074053**

RNI. UPHIN/2019/78747

Email
voiceofcapital24@gmail.com

**समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा**